झूंसीमें इंटरके छात्रकी धारदार हथियारसे हत्या, सनसनी

१५ हजार रुपयेके लेनदेनका था विवाद, नालेमें मिला शव, दोस्तका फोन आने पर स्कूटीसे निकला था शांतनु, चार आरोपित हिरासतमें

झूंसी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। महज १५ हजार रुपये के लेनदेन के विवाद में इंटरमीडिएट के १७ वर्षीय छात्र शांतनु दुबे की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। मंगलवार सुबह हवेलिया नाले में उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। परिजनों की तहरीर पर झूंसी पुलिस ने पांच नामजद सहित अन्य के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने चार आरोपितों को हिरासत में लेकर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। एक अन्य नामजद आरोपित की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगी हैं। छात्र का शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। पुरानी झूंसी कोहना निवासी तीर्थ पुरोहित दीपक दुबे का १७ वर्षीय बेटा शांतनु सोमवार रात करीब सवा नौ बजे मित्र उज्ज्वल सेनगुप्ता का फोन आने के बाद स्कूटी से घर से निकला था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मोबाइल बंद मिलने से उनकी चिंता बढ़ गई। मंगलवार सुबह हवेलिया नाले में शांतनु का शव मिलने की सूचना पर परिजन


हत शांतनु की फाइल फोटो।

मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर डीसीपी नगर सागर जैन और एसीपी झूंसी अरुण पाराशर पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार, शांतनु ने उज्ज्वल सेनगुप्ता को १५ हजार रुपये उधार दिए थे। रुपये वापस मांगने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद में दोस्तों ने शांतनु की हत्या कर दी। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने उज्ज्वल सेनगुप्ता, यश गुप्ता, दिव्यांश निषाद, छोटू पासी, छोटू यादव उर्फ अंडा समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने चार नामजद आरोपितों को हिरासतमें ले लिया है, उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चापड़ भी बरामद किया गया है। फरार आरोपित की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर खून के छींटें और शांतनु का कटा अंगूठा भी मिला। आशंका है कि चाकू से हमले के दौरान शांतनु ने बचाव करने की कोशिश की होगी, इसी बीच चाकू से उसका अंगूठा कट कर गिर गया। पुलिस ने मंगलवार शाम पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया। एसीपी झूंसी अरुण पाराशर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में रुपये के लेनदेन के विवाद में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। चार नामजद आरोपित से पूछताछ की जा रही है। हत्या में प्रयुक्त चापड़ भी बरामद कर लिया गया है।

तीन महीने पहले भी रुपयेके विवादमें हुई थी मारपीट

इंटरमीडिएट के छात्र शांतनु दुबे की हत्या के पीछे करीब तीन महीने से १५ हजार रुपये के लेनदेन का विवाद सामने आया है। पुलिस की पूछताछ व जांच में पता चला कि शांतनु ने अपने पिता से मांग कर उज्जवल सेनगुप्ता को १५ हजार रुपये उधार दिया था। लेकिन, उज्जवल रुपये नहीं लौट रहा था और उसने इसी विवाद में करीब तीन महीने पहले शांतनु के पिता दीपक दुबे से भी मारपीट की थी।

पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि मुख्य हत्यारोपित उज्जवल सेनगुप्ता नशे का आदी है। वह स्पोर्टस बाइक से चलता था। उसकी आमदनी से अधिक लाइफ स्टाइल और नशे की लत पूरी करने में खर्च होती थी। शांतनु से उज्जवल की पुरानी दोस्ती थी और अक्सर मिलना-जुलना भी होता था। शांतनु ने जब अपने रुपये वापस मांगने शुरू किया, तो उज्जवल कहासुनी पर उतर आया। इसकी जानकारी होने पर करीब ढाई महीने पहले शांतनु के पिता दीपक दुबे ने पूछताछ की, तो उज्जवल ने उनसे भी मारपीट की थी। सूत्रों की मानें तो गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि शांतनु को बुलाकर मारपीट और धमकाने की मंशा थी। लेकिन, नशे की धुन में आरोपितों ने चापड़ु से शांतनु के सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार कर लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद उसके शव को नाले में फेंक कर भाग निकले।

सीसीटीवी कैमरेमें दिखे चार युवक, स्कूटीपर मिले खूनके निशान

झूंसी संवाददाता से मिली जानकारी के अनुसार घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक घर के बाहर लगे कैमरे में देर रात चार युवक नजर आए हैं। परिजनों ने इन युवकों के घटना में शामिल होने की आशंका जताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि शांतनु सोमवार रात करीब नौ बजे घर से निकला था। उसने पास की किराना दुकान से पानी की एक बोतल खरीदी थी। इसके बाद वह कहां गया, इसकी जानकारी परिजनों को नहीं है। शांतनु दुबे की हत्या की जांच में उसकी स्कूटी पर मिले खून के निशान अहम सुराग बन गए हैं।

स्कूटी के मीटर, हैंडल और फुटरेस्ट पर खून मिला है। दोनों हैंडल भी खून से सने थे। घटनास्थल के पास शांतनु की चप्पल पड़ी मिली, जबकि उसका मोबाइल फोन गायब है। घटनास्थल और स्कूटी की स्थिति के आधार पर आशंका है कि शांतनु पर अचानक पीछे से धारदार हथियार से हमला किया गया होगा। इसके बाद सामने से भी उस पर वार किए गए।

धरनास्थलपर यूपीटीईटी के अभ्यर्थियों एवं पुलिससे नोकझोंक, चारको पकड़ा

यूपीटीईटी-२०२६ के परिणाम में नार्मलाइजेशन और ओएमआर शीट रिजेक्शन को लेकर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। धरनास्थल पर बैठे आंदोलनरित अभ्यर्थी जब यहां से शिक्षा सेवा चयन आयोग के लिए बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। जिसके बाद बात बिगड़ गयी और पुलिस ने नोकझोंक होने लगी। जिससे धरनास्थल एवं आसपास सड़कों पर अफरातफरी मच गयी। पुलिस ने इस दौरान चार अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर वैन में डाल दिया। पुलिस के तल्ख तेवर देख अभ्यर्थी भाग खड़े हुये। जिसके बाद धरनास्थल पर व्यापक पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

दरअसल पिछले दिनों ओएमआर शीट में हुई मामूली मानवीय त्रुटियों के आधार पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के परिणाम निरस्त करने की बात सामने आयी थी। साथ ही नार्मलाइजेशन की वजह से कई ऐसे अभ्यर्थी असफल हो गये, जो अपने कच्चे अंकों के आधार पर खुद को उत्तीर्ण मान रहे थे। इस संबंध में आयोग पर धरना प्रदर्शन भी किया

शिक्षा सेवा चयन आयोगके लिए चले तो पुलिसने रोका, बिगड़ी बात



गया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए आयोग ने ऐसे अभ्यर्थियों से समस्याओं के निस्तारण के लिए आवेदन मांगे थे। बाद में आयोग ने स्पष्ट कर दिया कि परीक्षा समय ही सबकुछ स्पष्ट रूप से अभ्यर्थियों को बता दिया गया था, घोषित रिजल्ट ही मान्य है। जिसके बाद अभ्यर्थियों से धरना शुरू है। पत्थर गिरजाघर स्थित धरना स्थल पर अभ्यर्थी पूरी रात डटे रहे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। अभ्यथिर्यों ने ओएमआर शीट की दोबारा जांच कराने की मांग का। उनका कहना है कि रोल नंबर, प्रश्नपत्र पुस्तिका संख्या या अन्य जरूरी कालम भरने में हुई छोटी गलती के आधार पर अभ्यर्थी को परीक्षा परिणाम से बाहर करना उचित नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि प्रभावित अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट दोबारा जांची जाए और जांच के बाद संशोधित परिणाम जारी किया जाए। अभ्यर्थियों ने परीक्षा में लागू की गई नार्मलाइजेशन प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि कच्चे अंकों के आधार पर कई अभ्यर्थी खुद को पास मान रहे थे, लेकिन नार्मलाइजेशन के बाद वह असफल हो गए। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक धरना अनिश्चितकालीन जारी रहेगा। इसी के बीच मंगलवार को धरनास्थल पर बैठे अभ्यर्थी शिक्षा सेवा चयन आयोग पर प्रदर्शन के लिए चले तो वहां मौजूद पुलिस ने उन्हें रोक दिया। जिसके बाद बात बिगड़ गयी और अभ्यथी आयोग जाने की जिद पर अड़ गये। नोकझोंक के बाद मामला और बिगड़ गया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गयी। पुलिस ने डंडा पटकना शुरू कर दिया तो अफरातफरी मच गयी। पुलिस ने अभ्यर्थियों को खदेड़ना शुरू कर दिया तो अभ्यर्थी भागने लगे। पुलिस ने चार अभ्यर्थियों को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद धरनास्थल खाली हो गया।

युवकने खुदपर छिड़का ज्वलनशील पदार्थ, अफरातफरी

आंदोलन एवं चक्काजाम के दौरान एक युवक अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की। हलांकि मौके पर मौजूद पुलिस फोर्स ने उसे पकड़ लिया। इधर छात्रनेता आयुष महात्मा ने कहा कि वह छात्र आंदोलन में शामिल नहीं है। उनका आमरण अनशन खराब करने के लिए साजिश रची जा रही है। कर्नलगंज पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

शिक्षा निदेशालयका घेराव, प्रदर्शन एवं नारेबाजी

टीजीटी-पीजीटी में पुरानी नियमावली एवं पुराने पैटर्न के आधार पर भर्ती को लेकर दर्जनों छात्र शिक्षा निदेशालय पहुंचे और प्रदर्शन कर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों ने अपर शिक्षा निदेशक कामता राम पाल को ज्ञापन सौंपा। बता दें कि बीते दिनों टीजीटी-पीजीटी में पुरानी नियमावली एवं पुराने पैटर्न के आधार पर भर्ती को लेकर प्रयागराज में धरना प्रदर्शन हुआ था। चार अभ्यर्थी १९ दिन तक धरनास्थल पर आमरण अनशन पर बैठे रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माध्यमिक शिक्षा मंत्री से ऐसे छात्रों को एक और मौका देने की बात कही थी। जिसके बाद डीएम-सीपी ने अनशन तुड़वाया था और आश्वासन दिया था कि उनकी मांगें जल्द पूरी की जायेगी। तब से लेकर अब तक इस पर कोई ठोस कदम न उठाने जाने पर मंगलवार को शिक्षा निदेशालय पर पहुंचकर घेराव कर दिया। छात्रों ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश का पालन अब तक क्यों नहीं किया गया, इसका जवाब दिया जाय। साथ ही लिखित रूप से दिया जाय तक कि कब तक समाधान होगा, अन्यथा वह खून से पत्र लिखेंगे। इस संबंध मे छात्रों ने अपर शिक्षा निदेशक से वार्ता की। आश्वासन दिया गया कि जल्द ही इस पर निर्णय लिया जायेगा।

आरपीएफ जवानोंको चकमा देकर शातिर चोर फरार

दो सिपाही निलम्बित, तीन लोगोंके खिलाफ मुकदमा दर्ज

रामबाग आरपीएफ की हवालात से शातिर चोर मोनू के फरार होने की घटना सुरक्षा व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़ा कर रही है। लापरवाही बरतने पर ड्यूटी पर तैनात दो सिपाहियों को निलम्बित कर दिया गया है और तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कानूनी कारर्वाई की जा रही है। इस घटना के बाद से ही रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस द्वारा फरार आरोपित को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। झूंसी थाना क्षेत्र के झूंसी निवासी फूलचन्द्र उर्फ मोनू और वाराणसीके थाना मिर्जामुराद, जद्दोपुर निवासी राजू को आरपीएफ ने सोमवार को रेलवे के सामानों की चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोपितोंको प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर आरपीएफ के हवालात में रखा गया था। इन दोनोंपर रेलवे की लोहे की सुरक्षा जालियां काटकर चोरी-छिपे बेचने का आरोप है। आरपीएफ ने १८ हजार कीमत की चार अदद सुरक्षा जाली, ७२० रुपये की आठ पेण्डाल क्लिप बरामद किया था। उसके खिलाफ रामबाग आरपीएफ पोस्ट पर मुकदमा अपराध संख्या ३/२६, धारा ३ रेलवे सम्पत्ति एक्ट के तहत मामला दर्ज था। मंगलवार की सुबह साढ़े छह बजे जब मोनू को शौच के लिए हवालातसे निकाला गया तो वो जवानों को झटका देकर भाग गया। आरपीएफ की हवालात से आरोपित का भाग जाना आरपीएफ की सुरक्षा और पहरेदारी पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। इस मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में ड्यूटी पर तैनात दो सिपाहियों को निलम्बित कर दिया गया है। इसके साथ ही दो सिपाहियों सहित कुल तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कारर्वाई शुरू कर दी गयी है। आरपीएफ के प्रयागराज रामबाग पोस्ट के प्रभारी निरीक्षक डी एस यादव ने बताया कि आरोपित मोनू की धरपकड़ के लिए प्रयागराज रामबाग स्टेशनके आसपास के क्षेत्रों, संदिग्ध ठिकानों, बस अड्डों एवं रेलवे यार्डों में लगातार दबिश दी जा रही है। आरपीएफ की टीमें स्टेशन और उसके बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की बारीकी से जांच कर रही हैं ताकि मोनू के भागने के रूट और उसके मददगारों का सुराग लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त आरपीएफ सिपाही सुरेंद्र गौतम की पहरा ड्यूटी लगी थी, जबकि हेड कांस्टेबल राम नगीना जीडी ड्यूटी पर था। पूर्वोत्तर रेलवेके वाराणसी मण्डल के सीनियर डीएससी पंकज चुघ ने सुरेंद्र गौतम और राम नगीना को लापरवाही के आरोप में निलम्बित कर दिया। वहीं दूसरी ओर आरपीएफ इंस्पेक्टर दयाशंकर यादव की तहरीरपर जीआरपीने दोनों जवानों और फरार आरोपित मोनूके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है।

जूनियर शिक्षक भर्तीकी मांगको लेकर छात्रोंने बनायी रणनीति

जूनियर शिक्षक भर्ती को लेकर मंगलवार को मम्फोर्डगंज स्थित शिवाजी पार्क में छात्रों एवं अभ्यर्थियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में जूनियर शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने की मांग को लेकर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सरकार एवं संबंधित विभाग तक अभ्यथिर्यों की मांग को प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए चरणबद्ध तरीके से लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जूनियर शिक्षक भर्ती की मांग को लेकर सात अक्तूबर की सुबह ११ बजे से ट्विटर अभियान, आठ अक्तूबर की शाम छह बजे ईश्वर शरण कालेज से गोविंदपुर तक मोमबत्ती मार्च, नौ अक्तूबर की सुबह सुबह शिक्षा निदेशालय का घेराव एवं धरना प्रदर्शन किया जायेगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पूर्व में मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन के माध्यम से दिए गए ज्ञापन को शासन स्तर पर गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिए जाने की मांग लगातार उठाई जाएगी। अभ्यर्थियों का कहना है कि बेसिक, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में कक्षा ६ से ८ तक जूनियर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया लंबे समय से प्रतीक्षित है। इसलिए सरकार से मांग है कि भर्ती प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक कार्रवाई पूरी कर जूनियर शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जल्द से जल्द जारी करने के संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए जाएं। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच ने सभी छात्र-छात्राओं एवं अभ्यर्थियों से अपील की है कि वह निर्धारित कार्यक्रमों में शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से सहभागिता करें और अपनी मांग को मजबूती से शासन एवं संबंधित विभाग के समक्ष रखें। बैठक में पुष्पेंद्र, प्रशांत, योगेंद्र, अतुल, शिवम, ऋषभ, कार्तिकेय आदि शामिल रहे।

इविवि : मांगोंको लेकर छात्रोंने निकाला पैदल मार्च, चक्काजाम

नौवें दिन भी जारी रहा आमरण अनशन, यातायात प्रभावित, पुलिस फोर्स तैनात

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि, सीटों की कटौती, छात्रसंघ भवन की मांग, लाइब्रेरी समय से खुलने एवं छात्रों का निलंबन वापस करने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को छात्रों का आंदोलन तेज हो गया। नौ दिनों से आमरण अनशन पर बैठे छात्रों के समर्थन में बड़ी संख्या में छात्र परिसर में जुट गये। छात्र विश्वविद्यालय परिसर में मार्च निकालने के बाद सड़क पर पहुंचकर रास्ताजाम कर दिया। इससे वहां यातायात प्रभावित हो गया। वाहनों की लंबी लाइन लग गयी और महौल तनाव पूर्ण हो गया। मौके पर भारी फोर्स पहुंच गयी और छात्रों को समझाने का प्रयास करने लगी। लेकिन छात्र अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। छात्रों का धरना देर रात तक चलता रहा। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

छात्रों ने आरोप लाया है कि वह दस जुलाई से फीस वृद्धि और सीट कटौती सहित अन्य मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं लेकिन लंबे समय से आंदोल चलने के बावजूद विवि प्रशासन उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं ले रहा है। मंगलवार सुबह आंदोलनकारियों की ओर से छात्र



महाजुटान का आह्वान किया गया था। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र आमरण अनशन स्थल पर पहुंच गये। और आंदोलन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। आमरण अनशन पर वैठे छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। सोमवार को आंदोलन के दौरान आमरण अनशन कर रहे हरिओम की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बावजूद आंदोलनकारी छात्रों ने मांगे पूरी होने तक संघर्ष जारी रखने का ऐलान किया है। वर्तमान में सच्चिदानंद यादव, दीपक और विवेक आमरण अनशन पर डटे हुए है। छात्रों का कहना है कि लगातार उपवास के कारण अनशनकारियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। आंदोलनकारियों ने विवि प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मांगों के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। छात्रनेता आयुष महात्मा का कहना है कि आमरण अनशन पर बैठे छात्रों का स्वास्थ्य लगातार प्रभावित हो रहा है इसके बावजूद मांगों की अनदेखी किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मंगलवार को मार्च और चक्काजाम के दौरान छात्रों की संख्या बढ़ने से आंदोलन को व्यापक समर्थन मिलने का संदेश गया। छात्रों का कहना है कि मांगे नहीं माने जाने पर आंदोलन चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जायेगा। मंगलवार को देर रात तक धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

पुरुष उपाध्यक्ष पदपर शक्ति सिंह और महिला उपाध्यक्षपर अन्नपूर्णा सिंह चल रहीं आगे

हाईकोर्ट बार चुनावमें संयुक्त सचिव महिला पदपर शिवांगी एवं कोषाध्यक्ष महिलापर उष्मा मिश्राकी बढ़त बरकरार

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की मतगणना में पुरुष उपाध्यक्ष में शक्ति सिंह और महिला उपाध्यक्ष पद पर अन्नपूर्णा सिंह चंदेल पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं संयुक्त सचिव (महिला) पद पर शिवांगी भार्गव तथा कोषाध्यक्ष (महिला) पर उष्मा मिश्रा की बढ़त मंगलवार को भी बरकरार रही। कार्यकारिणी सदस्य (महिला) पद पर अदिति पांडेय को ३१४३ मतों के साथ सबसे आगे चल रही हैं। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, इलाहाबाद के वार्षिक चुनाव २०२६-२७ की मतगणना के १२वें दिन मंगलवार को लाइब्रेरी हाल में उपाध्यक्ष पुरुष के चार और उपाध्यक्ष महिला के दो पदों के लिए कुल ६०१७ मतपत्रों की गणना की गई। वहीं पं. के.एन. मिश्र अध्ययन कक्ष में संयुक्त सचिव (महिला), कोषाध्यक्ष (महिला) एवं कार्यकारिणी सदस्य (महिला) पद के ६५९५ मतपत्रों की गिनती हुई। मुख्य चुनाव अधिकारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सैय्यद फरमान अहमद नकवी के मुताबिक महिला उपाध्यक्ष पद की मतगणना में अन्नपूर्णा सिंह चंदेल को २४५१, रंजना (रंजना सिंह) को १८४७, मंजू कुमारी (मंजू पांडेय महक) को १७६०, रीमा गुप्ता को १२५९, हया रिजवी को १२२३ और राखी कुमारी को ९१८ मत मिले।

पुरुष उपाध्यक्ष में शक्ति सिंह १०२० मतों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। आशुतोष पांडेय को ८१२, जितेंद्र सिंह को ७१७, अवनीश कुमार श्रीवास्तव को ६९९, कमलेश रतन यादव को ६९७,परवेज इकबाल अंसारी को ६९०, अशोक कुमार गुप्ता को ६६६, त्रिपुरारी पाल को ६६०,विनोद कुमार यादव ६५२,अब्दुल मजीद को ६१९ मत मिले।

संयुक्त सचिव (महिला) पद पर शिवांगी भार्गव (शिवांगी तिवारी) १७१६ मतों के साथ सबसे आगे चल रहीं हैं। उडिशा त्रिपाठी को १६८०,कविता तोमर १५२३, रचना सिंह को १०४७ और प्रीति द्विवेदी को ३२६ मत मिले। कोषाध्यक्ष (महिला) पद पर श्रीमती उष्मा मिश्रा (नेता जी) को सर्वाधिक २४३८ मत मिले। आराधना सिंह (केएम आराधना) को १८९९ और अंजना चतुर्वेदी को १७९४ मत प्राप्त हुए। चुनाव समिति ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्य (महिला) पद पर अदिति पांडेय को ३१४३,वंदना सिंह को ३११४, दिव्या यादव को २०५६, सोनी गुप्ता को १९०३, दुर्गा कुमारी को १५९२, अप्सरा को १५१०, नेहा सोनकर को १४४८, उदान्तिका श्रीवास्तव को १४५७, संगीता श्रीवास्तव को १४०२,नेहा खान को १११०, कुसुम लता को ११०७, शिक्षा सिंह गौतम को १०५१, मंजू लता वर्मा को १००९, रंजना कुमारी गौर को ९२३, शाहीन बेगमको ८९१ और फातमा खातून को ७१६ मत मिले।चुनाव समिति ने बताया कि बुधवारको मतगणना सुबह १० बजे से शाम पांच बजे तक होगी।

'तोड़ के रख दो वो समाज, नारी जिसमें बंधी है आज'



छात्राओंके संघटनोंने निकाला फ्रीडम मार्च, की चुनौतियोंपर चर्चा

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते स्त्री विरोधी अपराधों को लेकर छात्र संघटनों ने फ्रीडम मार्च निकाला। पिंजरा तोड़ अभियान के बैनर तले दिशा छात्र संघटन सहित अन्य प्रगतिशील छात्र संघटन शामिल रहे। मार्च इलाहाबाद विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास से शुरू हुआ। फिर केपीयूसी, बालसन चौराहा, इंडियन प्रेस चौराहा होते हुए आजाद प्रतिमा के सामने जाकर खत्म होगा। इस मार्च में बड़ी संख्या में छात्राएं-छात्र और नागरिक शामिल हुए। सभामें स्त्री मुक्ति लीग की अंजलि ने कहा कि दिल्ली से लेकर बीएचयू के छात्राओं ने संगठित प्रतिरोध किया। महिला सशक्तिकरण की सच्चाई यह है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है। यह अपराध दिन-ब-दिन हिंसक होते जा रहे हैं। जिससे समाज में महिलाओं का खुलकर सांस ले पाना मुश्किल होता जा रहा है। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक २०२३ में कुल ४ लाख ७० हजार से अधिक स्त्री विरोधी अपराध सामने आये है। दिशा की अवनी ने कहा कि आज के कठिन दौर में स्त्री मुक्ति आंदोलन के सामने बहुत गंभीर चुनौतियां हैं। पहले भारतीय समाज में पुराने मूल्य मान्यताओं की जकड़बंदी आज भी बनी हुई है। जिस तरह पेशा, पोशाक, जीवनसाथी जैसे निहायत व्यक्तिक मामलों में भी स्त्रियां स्वतंत्र नहीं है। प्रदर्शन में सौम्या, पूजा, सुहानी, विधि, आरती, सुरभि, अंजना, समेत हजारों लोग शामिल रहे।

सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चोंको समान अवसर देनेका संदेश

इलाज करा रहे चार सेरेब्रल पाल्सी बच्चोंको एमबीबीएस में मिला दाखिला

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के अवसर पर त्रिशला फाउंडेशन की ओर से जागरूकता, मार्गदर्शन एवं सकारात्कम सोच को बढ़ावा देने के लिए दो दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा एवं सामाजिक समावेश पर जोर दिया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष डा. जितेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि संस्था २००५ से सेरेब्रल पाल्सी एवं अन्य शारीरिक दिव्यांगताओं से प्रभावित बच्चों के लिए कार्य कर रही है। अब तक शिविरों एवं प्रयागराज स्थित केंद्रों के माध्यम से ५० हजार से अधिक बच्चों को लाभ मिल चुका है।त्रिशला सीपी गांव का निर्माण भी लगभग पूरा हो चुका है। कार्यक्रम के पहले दिन छह अंतरराष्ट्रीय आनलाइन मार्गदर्शन एवं असेसमेंट कैंप में देश के विभिन्न राज्यों के साथ युगांडा, अल्जीरिया एवं



दक्षिण अफ्रीका के अभिभावकों ने भी भाग लिया। विशेषज्ञों ने बच्चों की जरूरतों के अनुसार पुनर्वास संबंधी सुझाव दिए। दूसरे दिन फाउंडेशन के पांच केंद्रों पर बच्चों की गतिविधियों का लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान अभिभावकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों की क्षमताओं पर विश्वास रखने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देने का संदेश दिया। फांउडेशन के अनुसार पिछले पांच वर्षों में उसके प्रयासों से करीब ८० प्रतिशत बच्चे सामान्य स्कूलों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जबकि १०० से अधिक बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। २०२३ से अब तक चार बच्चों ने एमबीबीएस में प्रवेश लिया है। डा. जैन ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों को उनकी शारीरिक कठिनाइयों के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी क्षमताओं एवं संभावनाओं के आधार पर अवसर दिए जाने चाहिए।

समयपर कारकी डिलीवरी न करनेपर बुकिंग राशि ब्याज सहित लौटानेका आदेश

(विधि संवाददाता)

टोयोटा फॉर्चूनर लेजेंडर कार की बुकिंग के बाद करीब पांच साल तक डिलीवरी नहीं करने और निर्धारित कीमत से पांच लाख रुपये अधिक मांगने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने गोयनका मोटर्स को सेवा में कमी के लिए जिम्मेदार माना है। आयोग ने उपभोक्ता की शिकायत आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए डीलर को एक लाख रुपये की बुकिंग राशि आठ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही मानसिक एवं आर्थिक क्षतिपूर्ति के रूप में ५० हजार रुपये और वाद व्यय के तौर पर १० हजार रुपये भी देने को कहा है। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम और सदस्य सरला ने दिया। आकाश मिश्रा ने आयोग में दाखिल शिकायत में बताया कि उन्होंने आठ मार्च २०२१ को गोयनका मोटर्स से टोयोटा फॉर्चूनर लेजेंडर वाहन बुक कराया था। वाहन की कुल कीमत ४३,५५,१३७ रुपये निर्धारित की गई थी और बुकिंग के लिए एक लाख रुपये अग्रिम राशि जमा की गई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार पांच वर्ष बीतने के बावजूद वाहन की डिलीवरी नहीं की गई। करीब छह माह बाद जब उन्होंने डीलर से संपर्क किया तो वाहन देने के बदले बिल में दर्ज कीमत से पांच लाख रुपये अतिरिक्त नकद देने की मांग की गई। अतिरिक्त रकम देने से इनकार करने पर वाहन की डिलीवरी नहीं की गई। शिकायतकर्ता ने आयोग को बताया कि बुकिंग के बाद अन्य ग्राहकों को वाहन उपलब्ध कराए गए, जबकि उन्हें वाहन देने से लगातार इनकार किया जाता रहा। विधिक नोटिस भेजने के बावजूद डीलर की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। दूसरी ओर डीलर ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि वर्ष २०२१ में कोविड के कारण वाहनों की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और एक लाख रुपये केवल टोकन मनी थी। वाहन की कीमत डिलीवरी के समय बाजार मूल्य के आधार पर तय होती है। आयोग ने बुकिंग फार्म, भुगतान रसीद और अन्य दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद माना कि शिकायतकर्ता ने वाहन की बुकिंग के लिए एक लाख रुपये जमा किए थे। आयोग ने वाहन की पुरानी कीमत पर डिलीवरी कराने की मांग स्वीकार नहीं की, लेकिन बुकिंग राशि ब्याज समेत लौटाने के साथ क्षतिपूर्ति और मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया। आदेश के अनुसार निर्णय की तारीख से दो माह के भीतर भुगतान करना होगा।

एसडीएम हंडिया दें जानकारी या १४ को हों हाजिर

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भागीरथी निवासी ग्राम हरिपुर उर्फ मिश्रपुर, परगना केवाई, तहसील हंडिया, जिला प्रयागराज की भूमि सीमांकन को लेकर दाखिल याचिका पर एस डी एम हंडिया को दो हफ्ते में जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। और कहा है यदि मांगी गई जानकारी नहीं दी तो वह १४ अक्टूबर को पेश हो।

यह आदेश न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने याची अधिवक्ता अभिषेक यादव को सुनकर दिया है।।याचिकाकर्ता का कहना है कि गाटा संख्या ४४२, रकबा ०.१४८० हेक्टेयर भूमि पर वे व अन्य संयुक्त रूप से भूमिधर हैं और खतौनी में उनका नाम दर्ज है। उनके अनुसार भूमि के स्वामित्व व हक-हुकूक को लेकर कोई विवाद नहीं है और वे मौके पर काश्तकारी कब्जे में हैं।

याचिका में बताया गया है कि

भूमि सीमांकन मामलेमें हाईकोर्टका निर्देश

आस-पास के खातेदारों ने जानबूझकर मेड़ तोड़कर उनकी भूमि में अतिक्रमण कर लिया, जिससे सीमा को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

इस पर उप जिलाधिकारी हंडिया ने यूपी राजस्व संहिता २००६ की धारा २४ के तहत ११ सितंबर २०२५ को सीमांकन का आदेश पारित किया था, तथा २४ अप्रैल २०२६ को इसका निष्पादन आदेश भी जारी हुआ, लेकिन याचिकाकर्ता के अनुसार अब तक इसका पालन नहीं हुआ है। कोर्ट ने जानकारी मांगी थी किंतु उपलब्ध नहीं कराई गई तो यह आदेश दिया है।

बजट, वेतन और पुराने बिलोंपर की चर्चा

मुण्डेरा मण्डी स्थित कार्यालय में उप निदेशक संजय कुमार सिंह ने देर शाम तक पुराने बिलों, वाउचरों के भुगतान और चेक जारी करने की प्रक्रिया को लेकर अध